राज्यपाल सचिवालय

राजभवन, जयपुर

राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे की प्रेरणादायी उपस्थिति में संविधान पार्क में हुआ ऐतिहासिक आयोजन

स्वामी विवेकानंद एवं डॉ. राधाकृष्णन की प्रतिमाओं का अनावरण, 363 खेजड़ी पौधों का सामूहिक रोपण

“पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा और राष्ट्रनिर्माण का अद्‌वितीय संगम है यह आयोजन” - राज्यपाल श्री बागडे

संविधान पार्क बना राष्ट्रीय चेतना और प्रकृति प्रेम का प्रेरणा केंद्र

जयपुर/जोधपुर, 23 जुलाई। राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री हरिभाऊ बागडे की गरिमामयी उपस्थिति में बुधवार को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्‌यालय, जोधपुर के करवड़ परिसर स्थित संविधान पार्क में एक प्रेरणास्पद और ऐतिहासिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

इस अवसर पर स्वामी विवेकानंद एवं डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की भव्य प्रतिमाओं का अनावरण किया गया, साथ ही पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अभिनव पहल करते हुए शहीद अमृता देवी बिश्नोई की स्मृति में 363 खेजड़ी पौधों का सामूहिक वृक्षारोपण किया गया।

राज्यपाल श्री बागडे ने अपने संबोधन में कहा कि यह आयोजन केवल एक विधिवत कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना, प्रकृति के प्रति प्रेम और सांस्कृतिक मूल्यों का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद एवं डॉ. राधाकृष्णन की प्रतिमाएं शिक्षा, सेवा और जीवन मूल्यों की प्रेरणा देती हैं। “संविधान पार्क अब केवल एक स्थल नहीं, बल्कि यह युवाओं के लिए आदर्श और विचारों का केंद्र बन गया है,” उन्होंने कहा।

छात्र-छात्राओं को पर्यावरणीय जिम्मेदारी निभाने का आह्‌वान

राज्यपाल ने विश्वविद्‌यालय के छात्र-छात्राओं से संवाद करते हुए प्रत्येक विद्‌यार्थी को अपने लगाए गए खेजड़ी पौधे के साथ एक स्मृति-चित्र लेने और उस पौधे की देखभाल के ज़रिए पर्यावरणीय उत्तरदायित्व से जुड़ने का आह्‌वान किया।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एवं आयुष मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि “भारतीय संस्कृति, आयुर्वेद और पर्यावरण की रक्षा में ऐसे आयोजन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।” उन्होंने कहा कि शहीद अमृता देवी के बलिदान को याद करते हुए सामूहिक पौधारोपण न केवल श्रद्‌धांजलि है, बल्कि युवा पीढ़ी को प्रकृति से जोड़ने का माध्यम भी है।

सभी ने श्रद्‌धांजलिपूर्वक पौधारोपण में सहभागिता निभाई और पर्यावरण संरक्षण हेतु संकल्प लिया।

राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने खेजड़ली शहीद स्मारक का किया अवलोकन

363 पर्यावरण शहीदों को किया नमन, गुरु जम्भेश्वर मंदिर में की पूजा-अर्चना

“पर्यावरण की रक्षा मानवता की रक्षा है, खेजड़ली की चेतना युगों तक अमर रहेगी” - राज्यपाल श्री बागडे

शहीद अमृता देवी के अद्वितीय बलिदान को बताया पर्यावरणीय चेतना का स्तम्भ

जयपुर/जोधपुर, 23 जुलाई। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने बुधवार को जोधपुर जिले की लूणी तहसील स्थित ऐतिहासिक ग्राम खेजड़ली पहुंचकर शहीद अमृता देवी स्मारक पर 363 पर्यावरण शहीदों के स्मारक का अवलोकन किया। उन्होंने इस पावन स्थल को “पर्यावरणीय चेतना का तीर्थ” बताते हुए कहा कि यह स्थल भावी पीढ़ियों को प्राकृतिक संतुलन और संरक्षण का अमर संदेश देता है।

राज्यपाल ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि “खेजड़ली का यह बलिदान हमें बताता है कि प्रकृति की रक्षा केवल सामाजिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सांस्कृतिक कर्तव्य भी है। यह इतिहास नहीं, बल्कि एक प्रेरक ऊर्जा है, जो जलवायु संकट के दौर में मार्गदर्शक बनती है।”

राज्यपाल श्री बागडे ने गुरु जम्भेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और पर्यावरणीय संतुलन की कामना की। उन्होंने मंदिर परिसर में खेजड़ी के पौधे का रोपण कर नागरिकों को वृक्षारोपण के प्रति जागरूक होने का आह्वान किया।

राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा, “खेजड़ली की गाथा केवल राजस्थान का ही नहीं, सम्पूर्ण मानवता का गौरव है। यह हमें सिखाती है कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि हर नागरिक की जीवनशैली का हिस्सा होना चाहिए।”

इस अवसर पर राज्यपाल के साथ राजस्थान सरकार के उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा भी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि “खेजड़ली का बलिदान विश्व का पहला और सबसे बड़ा अहिंसक पर्यावरण जनांदोलन है। इस धरती ने मानव सभ्यता को सिखाया कि प्रकृति के बिना प्रगति अधूरी है।”

खेजड़ी पेड़ों की रक्षा
इस बलिदान का वर्णन
सुप्रसिद्ध विश्नोई कवि
विणीपाल ने अपनी ऐतिहासिक काव्य
रचना "खेजड़ली की साखी" में किया है।
यह घटना जोधपुर (तत्कालीन मारवाड़)
के महाराजा अभयसिंह के शासन काल में
घटित हुई। सेनापति गिरधरदास भंडारी
ने सेना की छोटी टुकड़ी के साथ जब
खेजड़ली गांव में खेजड़ी के पेड़ों को
काटना चाहा तो शुरु में लोगों के विरोध
के कारण उसे पीछे हटना पड़ा। लेकिन
उसने जाते जाते लौटकर आने की धमकी
दी। विश्नोई समाज के सामाजिक नेतृत्व
ने इस खतरे को भांपकर खेजड़ली
(जोधपुर) के आसपास के गांवों में
भेजकर आसन्न खतरे की
सूचना पाकर हजारों
पर पहुंच

राजस्थान सरकार
आयुष विभाग
डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर
परिसर में
शहीद अमृता देवी की स्मृति में
हरित खेजड़ी अभियान अन्तर्गत 363 खेजड़ी के
पौधों का रोपण
श्री हरिभाऊ बागडे
माननीय राज्यपाल राजस्थान एवं कुलाधिपति
के कर कमलों द्वारा
बुधवार, दिनांक 23 जुलाई 2025
श्रावण मासे, कृष्ण पक्षे, चतुर्दशी तिथि, विक्रम संवत् 2082 को सम्पन्न हुआ।
- विशिष्ट अतिथि :-
डॉ. प्रेमचन्द बैरवा
श्री जांगाराम पटेल
- सौम्य उपस्थिति :-
प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति
कुलगुरु

आयुष विभाग
डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् जी
की प्रतिमा का
अनावरण
श्री हरिभाऊ बागडे

श्रद्धेय स्वामी विवेकानन्द जी
की प्रतिमा का
अनावरण
श्री हरिभाऊ बागडे